



**HARI VERMA**

24 May 2025

04:40 PM

Surat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121350502

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 24/05/2025  
दिन \_\_\_\_\_: शनिवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 16:40:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 26:44:50 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Surat  
राज्य \_\_\_\_\_: Gujarat  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 21:10:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 72:50:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:38:40 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 16:01:20 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:03:08 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 08:10:33 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 05:58:03 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 19:13:12 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 13:15:09 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: ग्रीष्म  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 09:19:31 वृष  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 05:59:24 तुला

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: तुला - शुक्र  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मेष - मंगल  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: अश्विनी - 1  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: केतु  
योग \_\_\_\_\_: सौभाग्य  
करण \_\_\_\_\_: तैतिल  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: अश्व  
नाड़ी \_\_\_\_\_: आद्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: चतुष्पाद  
वर्ग \_\_\_\_\_: सिंह  
युँजा \_\_\_\_\_: पूर्व  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: चू-चूड़ामणि  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: ताम्र - स्वर्ण  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मिथुन

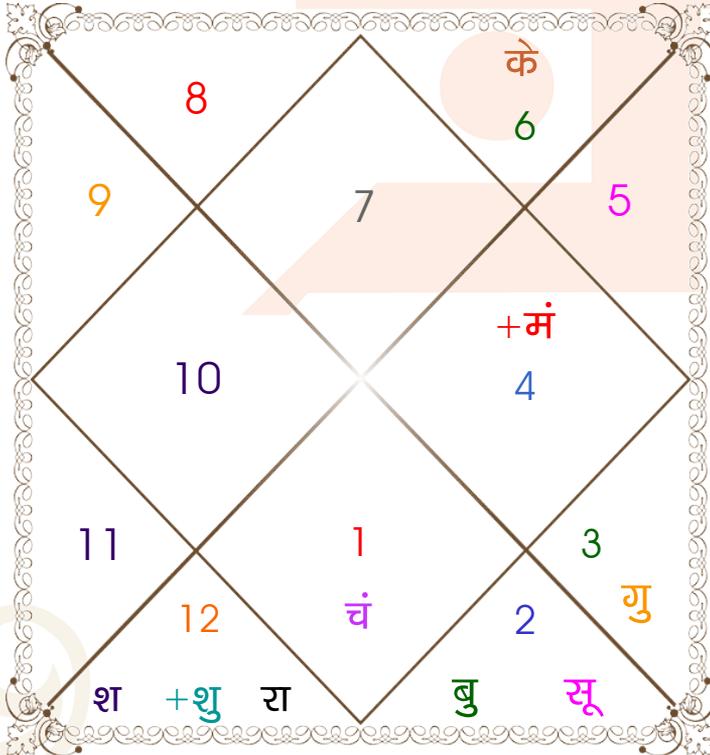
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	05:59:24	328:46:31	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			वृष	09:19:31	00:57:41	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	01:46:23	14:52:30	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			कर्क	22:53:10	00:31:04	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	नीच राशि
बुध	अ		वृष	02:25:20	02:07:06	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	02:06:51	00:13:12	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	23:41:35	00:54:06	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	उच्च राशि
शनि			मीन	05:44:10	00:04:34	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		मीन	00:47:13	00:04:28	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	00:47:13	00:04:28	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:27:45	00:03:29	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:30:16	00:01:18	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	09:31:01	00:00:32	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	06:13:42	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

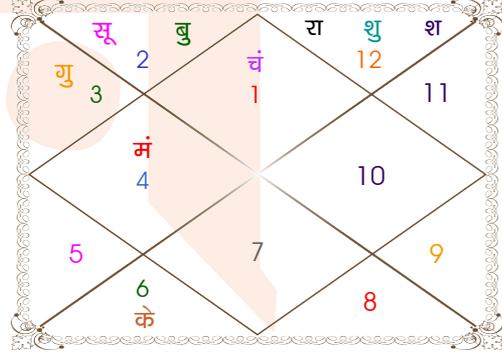
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:43

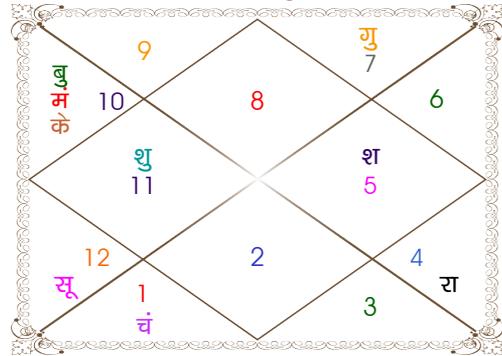
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 0 मास 25 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
24/05/2025	19/06/2031	19/06/2051	18/06/2057	19/06/2067
19/06/2031	19/06/2051	18/06/2057	19/06/2067	19/06/2074
24/05/2025	शुक्र 18/10/2034	सूर्य 07/10/2051	चंद्र 19/04/2058	मंगल 15/11/2067
शुक्र 14/01/2026	सूर्य 19/10/2035	चंद्र 06/04/2052	मंगल 18/11/2058	राहु 03/12/2068
सूर्य 22/05/2026	चंद्र 18/06/2037	मंगल 12/08/2052	राहु 19/05/2060	गुरु 08/11/2069
चंद्र 21/12/2026	मंगल 19/08/2038	राहु 07/07/2053	गुरु 18/09/2061	शनि 18/12/2070
मंगल 20/05/2027	राहु 18/08/2041	गुरु 25/04/2054	शनि 19/04/2063	बुध 16/12/2071
राहु 06/06/2028	गुरु 18/04/2044	शनि 07/04/2055	बुध 18/09/2064	केतु 13/05/2072
गुरु 13/05/2029	शनि 19/06/2047	बुध 11/02/2056	केतु 19/04/2065	शुक्र 13/07/2073
शनि 22/06/2030	बुध 19/04/2050	केतु 18/06/2056	शुक्र 18/12/2066	सूर्य 18/11/2073
बुध 19/06/2031	केतु 19/06/2051	शुक्र 18/06/2057	सूर्य 19/06/2067	चंद्र 19/06/2074

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
19/06/2074	18/06/2092	19/06/2108	20/06/2127	19/06/2144
18/06/2092	19/06/2108	20/06/2127	19/06/2144	00/00/0000
राहु 01/03/2077	गुरु 06/08/2094	शनि 23/06/2111	बुध 16/11/2129	केतु 15/11/2144
गुरु 25/07/2079	शनि 17/02/2097	बुध 02/03/2114	केतु 13/11/2130	शुक्र 25/05/2145
शनि 31/05/2082	बुध 26/05/2099	केतु 11/04/2115	शुक्र 13/09/2133	00/00/0000
बुध 18/12/2084	केतु 01/05/2100	शुक्र 11/06/2118	सूर्य 20/07/2134	00/00/0000
केतु 05/01/2086	शुक्र 31/12/2102	सूर्य 24/05/2119	चंद्र 20/12/2135	00/00/0000
शुक्र 05/01/2089	सूर्य 20/10/2103	चंद्र 22/12/2120	मंगल 16/12/2136	00/00/0000
सूर्य 30/11/2089	चंद्र 18/02/2105	मंगल 31/01/2122	राहु 05/07/2139	00/00/0000
चंद्र 01/06/2091	मंगल 25/01/2106	राहु 07/12/2124	गुरु 10/10/2141	00/00/0000
मंगल 18/06/2092	राहु 19/06/2108	गुरु 20/06/2127	शनि 19/06/2144	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 0 मा 23 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृत्ति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांटेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बातें करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृत्ति के हो जाते हैं। आप इस प्रकार की प्रवृत्ति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृत्ति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रुचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।